RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
मूल्य: ₹02
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शुक्रवार, 09 मई, 2024
वर्ष: 01, अंक: 133, पृष्ठ: 8+4

कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास » Pg06

इनसाइड: आईजीआरएस रैंकिंग में औंधे मुंह गिरा कानपुर जिला » Pg03

भारत ने अपने S-400 और आकाश डिफेंस सिस्टम को एक्टिव कर दिया है, पाक आर्मी में हाहाकार मचा है

पाकिस्तान के लिए काल प्रीडेटर ड्रोन... 5000 आतंकी मारे, F-16 पानी मांगे

» नई दिल्ली/नोएडा/लखनऊ, एजेंसी।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है। इससे पूरे पाकिस्तान में डर का माहौल है। बताया जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान इस लड़ाई में ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। पहली बार इतने बड़े पैमाने पर सैन्य ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत ने अपने स्-400 और आकाश डिफेंस सिस्टम को एक्टिव कर दिया है। पाकिस्तान से सैन्य ड्रोन के मुकाबले भारत काफी आगे है। इसी कड़ी में उसे जल्द ही अमेरिका से 31 रूक्त-9क्कप्रीडेटर ड्रोन मिलने वाले हैं।

पाकिस्तान से सैन्य ड्रोन के मुकाबले भारत काफी आगे है। इसी कड़ी में उसे जल्द ही अमेरिका से 31 रूक्त-9क्कप्रीडेटर ड्रोन मिलने वाले हैं। माना जा रहा है कि ये ड्रोन दुश्मन के लिए काल बन सकते हैं। रूक्त-9क्कभारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना का भी हिस्सा होंगे, जिसकी डील का रोडमैप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते साल तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ तैयार कर दिया था। माना जा रहा है कि अक्टूबर तक इस डील पर मुहर भी लग गई। भारतीय नौसेना को 15 सी गार्जियन ड्रोन मिलेंगे। वहीं, भारतीय वायु सेना (ढ्ढस्न) और भारतीय सेना को 8-8 स्काई गार्जियन ड्रोन मिलेंगे। जानते हैं ड्रोन की लड़ाई में कौन कितना भारी है और प्रीडेटर ड्रोन के आने से जंग की तस्वीर कैसे बदल जाएगी?

भारत के पास पाकिस्तान से काफी ज्यादा मिलिट्री ड्रोन

एक्सपर्ट्स के अनुसार, भारत के पास अगले दो से चार सालों में लगभग 5,000 मिलिट्री ड्रोन्स होंगे। पाकिस्तान के पास भारत से काफी कम ड्रोन्स हैं। पाकिस्तान के पास 10 से 11 अलग-अलग डिजाइन के ड्रोन्स हैं। भारतीय सेना के पास लगभग 50 ढ्ढश्वह्र ड्रोन हैं, जो निगरानी और लक्ष्य निर्धारण के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इन ड्रोनों में इजरायल के हेरोन मार्क-ढ्ढ, मार्क-ढ्ढढ्ढ और सर्चर-ढ्ढढ्ढ शामिल हैं। 31 प्रीडेटर के अलावा, भारत के पास 10,000 करोड़ रुपये में खरीदे गए 97 स्वदेशी ड्रोन भी हैं, जो सीमा निगरानी के लिए उपयोग किए जाते हैं।

दुश्मन के लिए कितना बड़ा काल है यह ड्रोन

लखनऊ।GA-ASI ने MQ-9B प्रीडेटर ड्रोन बनाया है। यह रूक्त-9 रीपर का ही एक रूप है। इसे हाई-एल्टीट्यूड, लॉन्ग-एंड्योरेंस अनमैन्ड एरियल व्हीकल कहते हैं। आसान भाषा में कहें तो यह बहुत ऊंचाई पर उड़ने वाला और लंबे समय तक टिकने वाला मानव रहित हवाई जहाज है। यह ड्रोन एक बार में करीब 40 घंटे तक उड़ सकता है। यह 50,000 फीट से भी ज्यादा ऊंचाई पर उड़ सकता है। रूक्त-9क्कप्रीडेटर ड्रोन में चार हेलफायर मिसाइलें और लगभग 450 किलो के बम ले जाए जा सकते हैं। मतलब यह ड्रोन दुश्मन के लिए बहुत खतरनाक है!

भारत सरकार ने मीडिया को लाइव कवरेज न करने का दिया निर्देश

» नई दिल्ली एजेंसी।

देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सभी मीडिया चैनलों को एक अहम सलाह जारी की है। इस सलाह में कहा गया है कि सभी टीवी चैनल, समाचार एजेंसियां और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म किसी भी आतंकवाद विरोधी अभियान या सुरक्षा बलों की गतिविधियों की लाइव कवरेज से परहेज करें।

सरकार की ओर से जारी इस एडवाइजरी में कहा गया है कि केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 के तहत ऐसी लाइव रिपोर्टिंग कानून का उल्लंघन मानी जाएगी और इस पर कार्रवाई भी हो सकती है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा अभियानों की जानकारी केवल सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारी के जरिए दी जाएगी और तब तक मीडिया को इन गतिविधियों से दूरी बनाकर रखनी होगी।एडवाइजरी में यह भी बताया गया कि 26/11 मुंबई हमलों, कारगिल युद्ध और कंधार विमान अपहरण जैसे घटनाओं के दौरान अनियंत्रित कवरेज से राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा था। ऐसे में मीडिया से अपेक्षा की गई है कि वह सतर्कता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखे।उल्लेखनीय है कि यह दिशा-निर्देश केवल समाचार चैनलों तक सीमित नहीं है, बल्कि सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल मंचों पर सक्रिय लोगों के लिए भी लागू है। मंत्रालय ने सभी संबंधित संस्थाओं और पोर्टलों को इसकी प्रति भेज दी है।

पाकिस्तानी मिसाइल पंजाब के होशियापुर में गिरी मिली है. कल रात भारतीय डिफ़ेंस सिस्टम में मार गिराया था.

बेटा है तो सिंदूर.. बेटी होगी सिंदूरी..

OPERATION SINDOOR

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना का ऑपरेशन सिंदूर देशवासियों के लिए गौरव का विषय हो गया है. पाकिस्तान के खिलाफ की गई एयर स्ट्राइक ऑपरेशन सिंदूर का शोर अब सोशल मीडिया से लेकर आम जनता के दिलों तक गूंज रहा है. हर ओर बस एक ही चर्चा है ऑपरेशन सिंदूर.. देश की इसी भावना से प्रेरित होकर बिहार में लोग अपने बच्चों के नाम आपरेशन सिंदूर के नाम पर रख रहे हैं.. बिहार के मुजफ्फरपुर में 7, पूर्वी चंपारण, कटिहार और अररिया जिले में एक-एक बच्चे का नाम या तो सिंदूर रखा गया है या सिंदूरी.. अद्भुत नाम हैं.. अद्भुत भावना है....!!

अब हर चौराहों पर लगेंगे सायरन, खतरे पर एक साथ बजेंगे

» नई दिल्ली/नोएडा/लखनऊ, एजेंसी।

भारत-पाक के बीच गुरुवार की रात शुरू हो गए हमलों के बाद पुलिस ने अब सुरक्षा का पुख्ता प्लान तैयार किया है। सायरन बजते ही तुरंत घर, दुकान, कार्यालय, प्रतिष्ठानों और अन्य जगहों की लाइटें बुझा दी जाएंगी, जबकि चालक अपने वाहनों के इंजन भी बंद कर देंगे।

इससे दुश्मनों को आवासीय क्षेत्रों की लोकेशन बिल्कुल भी नहीं मिल सकेगी। और इस व्यवस्था के लिए शहर में वन बटन ऑपरेशन की व्यवस्था होने जा रही है, जिसमें एक साथ शहर भर में सायरन की आवाज आएगी।

इसे एक स्थान से संचालित भी किया जाएगा। सायरन सभी प्रमुख चौराहों पर लगाने की तैयारी है। इन सायरन को खरीदने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

ब्लैकआउट के दौरान सरकारी प्रतिष्ठानों में लाइटें, निजी कंपनियों के डिस्प्ले बोर्ड, सोलर लाइटें नहीं बुझाई जा सकी थीं।मोबाइल कंपनियों के टावरों में

रेड लाइट जल रही थी। पुलिस ने मोबाइल कंपनियों के अफसरों से रेड लाइट बंद करने की व्यवस्था करने को कहा है।

साथ ही ब्लैकआउट के दौरान यदि केस्को शट डाउन करता है तो हॉस्पिटल में बैकअप की व्यवस्था की जाएगी। जिससे कि ऑपरेशन का बैकअप पहले से मौजूद हो। अस्पताल में चौतरफा ब्लैक पन्नी लगाई जाए।यहां लाइट बाहर न दिखाई दे। एंबुलेंस के आवागमन के लिए ग्रीन कॉरिडोर की भी व्यवस्था पहले से की जाएगी।इतना ही नहीं एंबुलेंस, खाद्य वाहन, गैस सिलेंडर, दुग्ध वाहनों की हेड लाइट को आधा पेंट किया जाएगा। इससे उनकी रोशनी ऊपर न जाकर नीचे सड़क पर दिखाई दे।

'ऑपरेशन मुस्कान' जीआरपी ने घर से नाराज़ होकर निकली युवती को खोजा

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर परिजनों से मिलवाया

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। रेलवे पुलिस (जीआरपी) कानपुर सेंट्रल ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक और मिसाल कायम करते हुए एक गुमशुदा 20 वर्षीय युवती को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

यह युवती अपने घर से नाराज़ होकर निकली थी और अकेले ही कानपुर आ पहुंची थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सारण (बिहार) निवासी यह युवती पारिवारिक कारणों से नाराज़ होकर घर से निकल गई थी।

8 मई को वह कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर अकेले और परेशान हालात में घूमती पाई गई। यात्रियों से मिली सूचना पर जीआरपी प्रभारी निरीक्षक श्री ओम नारायण सिंह ने तत्परता दिखाते हुए एक विशेष टीम गठित की और स्टेशन परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया।

टीम ने युवती को सुरक्षित ढूंढ निकाला और महिला पुलिसकर्मियों की उपस्थिति में उससे शांतिपूर्वक पूछताछ की।

युवती ने अपना नाम और बिहार स्थित घर का पता बताया, जिसके बाद जीआरपी टीम ने उसके परिजनों से संपर्क कर उन्हें स्टेशन बुलाया। पहचान की पुष्टि के बाद युवती को सकुशल परिजनों को सौंप दिया गया।

इस सफल अभियान में उप निरीक्षक अरविंद कुमार, मनोज कुमार, हेड कांस्टेबल देवेन्द्र सिंह, अभय प्रताप सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मियों का योगदान सराहनीय रहा।

जीआरपी कानपुर सेंट्रल द्वारा दिखाई गई इस संवेदनशीलता और तत्परता की क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है।ऑपरेशन मुस्कान के तहत यह प्रयास न सिर्फ एक परिवार को राहत देने वाला रहा, बल्कि यह रेलवे पुलिस की मानवता और जिम्मेदारी को भी दर्शाता है।

आईजीआरएस रैंकिंग में औंधे मुंह गिरा कानपुर जिला

बीस अंक लुढ़क कर कानपुर की रैंकिंग पहुंची 61 वें स्थान पर

» डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह के कई प्रयास के बाद भी अफसरों और कर्मचारियों की लंबी फौज भी आईजीआरएस रैंकिंग को संभालने में नाकामयाब

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। एक कहावत है गुड गोबर करना, डीएम के कई प्रयास के बाद भी अफसरों और कर्मचारियों की लंबी फौज भी आईजीआरएस की रैंकिंग को संभालने में नाकामयाब साबित हो रही है।

पिछले महीने काफी सुधरी रैंकिंग फिर चारों खाने चित्त हो गई है इस दफा कानपुर 20 पायदान पीछे चला गया है। यानि अप्रैल में जारी रैंकिंग में कानपुर का जहां 41वां स्थान रहा वहीं मई में रैंकिंग 61वां स्थान मिला है।

निगरानी ढाक के तीन पात बराबर नजर आती है।

लगातार जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह जनता दरबार लगाकर लोगों की शिकायत सुन रहे और अधिकारियों को आदेश निर्देश भी दे रहे हैं, लेकिन उसका असर अधिकारियों पर नहीं पड़ रहा हैं। आईजीआरएस की शिकायतें की निगरानी के लिए डीएम ने अफसरों और कर्मचारियों की फौज लगा रखी है।

लेकिन निगरानी ढाक के तीन पात तक ही सीमित हो रही है।

फरवरी में जिले की रैंक 61वीं थी तो मार्च दफा 41 वीं अब फिर अप्रैल में 61वीं रैंक मिली।

फरवरी में 140 में 103 अंक थे मार्च में 106 अंक मिले और अप्रैल में 103 अंक मिले हैं। फरवरी में 73.57 प्रतिशत थे तो मार्च में 75.71 प्रतिशत अप्रैल में 73.57 अंक हैं।

10121 शिकायते अप्रैल में आई

अप्रैल में कानपुर नगर में 10121 शिकायतें अलग-अलग विभागों में IGRS के माध्यम से प्राप्त हुई हैं। 8276 शिकायतों में फीडबैक लिए गए। इनमें 4759 लोगों ने फीडबैक लेने पर कार्रवाई से असंतुष्ट रहे है।

मांग पूरी न होने पर हत्या कराने का आरोप

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। बेटी तस्कीम की शादी के बाद माँ को नहीं मालूम था कि उसका पति व उसके ससुराली जन दहेज की नाजायज माँग कर बेटी को ताने देने लगेंगे। और शादी के बाद थार कार तथा लाखों रूपये की डिमांड भी करेंगे। बेचारी तस्कीम ससुरालवालों के सारे जुर्म बर्दाश्त करती रही। तस्कीम अब इस दुनिया में नहीं है। लेकिन तस्कीम की माँ रोज उसकी याद में आंसू बहाती है। तस्कीम एक गंभीर बीमारी से ग्रसित थी। अपने पति से इलाज के लिए कहती थी। आरोप है कि एक झोलाछाप डॉक्टर से ऑपरेशन कराकर षड्यंत्र के तहत बेटी की हत्या करा दी गई। ऐसे ही कई आरोप लगाकर मृतका की माँ ने पुलिस में शिकायत की है।

» . पुलिस कमिश्नर से की गई मामले की शिकायत

मृतका की मां नसरीन ने पुलिस कमिश्नर से की गई शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी बेटी तस्कीम का निकाह 19 अप्रैल 2024 को बिल्हौर के इंद्रानगर मोहल्ला निवासी हामिद खान के पुत्र आरिफ से किया था।

नसरीन ने बताया कि उन्होंने दहेज में दो लाख रुपए नकद और करीब 5 लाख का सामान व कीमती ज़ेवर दिये थे। इसके बावजूद ससुराल वाले थार कार की मांग कर बेटी को प्रताड़ित करते थे। कुछ समय बाद तस्कीम के पेट में दर्द शुरू हुआ। जांच में पित्त की थैली में पथरी का पता चला।

आरोप है कि ससुराल वालों ने 29 अप्रैल को तस्कीम का एक झोलाछाप डॉक्टर से ऑपरेशन करा दिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे मरणासन्न अवस्था में मायके छोड़ दिया। कुछ देर बाद दूसरे अस्पताल में भर्ती कराने के बहाने ले गए। अगले दिन तस्कीम का शव घर पर फेंक कर चले गए।

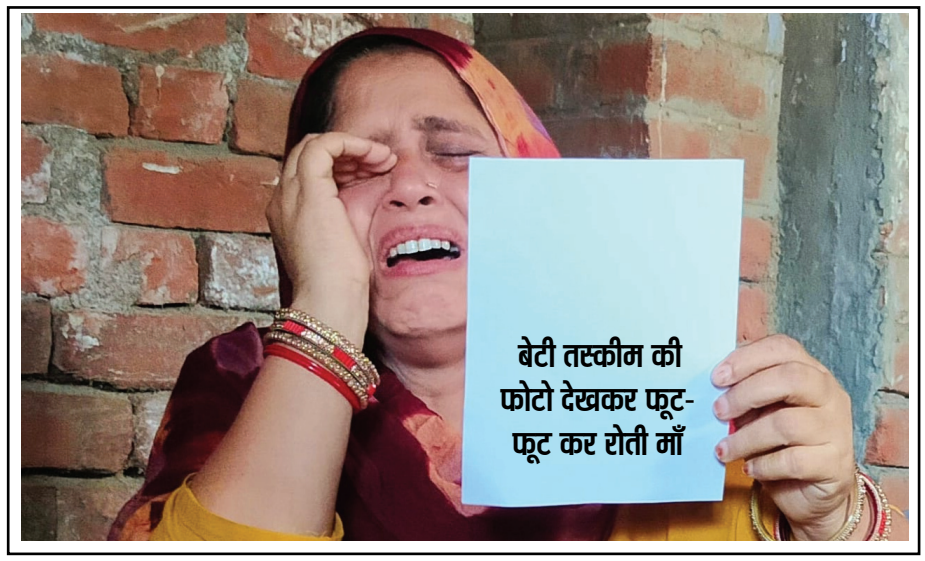

परिवार के लोग जब थाने जा ही ररहे थे कि तभी ससुराल वाले वापस आए। वे शव पोस्टमार्टम के लिए ले जाने की बात कहकर अपने साथ ले गए। लेकिन उन्होंने शव को निजी कब्रिस्तान में दफना दिया। आरोप यह भी है कि स्थानीय पुलिस ने शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की। इस मामले में कितनी सच्चाई है यह तो पुलिस जाँच के बाद ही पता चलेगा।

मृतका की मां बोली कब्र से निकलवाकर शव का कराया जाए पोस्टमार्टम

बिल्हौर। मृतका की मां ने पुलिस से शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जिस पर कमिश्नर ने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

वैष्णो देवी के दर्शन करके लौट रहा कानपुर का परिवार ब्लैक आउट में फंसा

» परिजन चिंतित, बोले– हर घंटे ले रहे हालचाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जम्मू में वैष्णो माता के दर्शन करने गया शहर का परिवार ब्लैक आउट में फंस गया। गुरुवार को चढ़ाई से उतरते समय अचानक यात्रा मार्ग की लाइटें बंद कर दी गई। श्रद्धालुओं ने मोबाइल से रोशनी की तो जवानों ने लाइट बंद करने को कहा। पाकिस्तान से बढ़ी तल्खी के कारण जम्मू प्रशासन ब्लैक आउट का पालन करा रहा है।

नवाबगंज के विष्णुपुरी निवासी रितेश अग्रवाल की चौक में स्टेशनरी का कारोबार है। उनके बड़े भाई मुकेश अग्रवाल चौक व्यापार मंडल के अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया रितेश अपनी पत्नी चारू व दोनों बच्चों कान्हा और कुश के साथ छह मई को वैष्णो देवी माता के दर्शन करने गए थे।

गुरुवार को वह वापसी कर रहे हैं और यात्रा मार्ग में हैं। उन्होंने कुशलता बताने के लिए फोन किया तब जानकारी दी कि जम्मू प्रशासन ने यात्रा मार्ग और मंदिरों में पूरी तरह ब्लैक आउट कर दिया है। दुकानों को बंद करा दिया गया है।

ब्लैक आउट के कारण भीड़ एकदम गायब है। माता के दर्शन करके लौट रहे श्रद्धालु एक साथ टोली बनाकर उतर रहे हैं। अंधेरा होने के कारण लोगों ने मोबाइल से रोशनी की तो यात्रा मार्ग में खड़े सेना के जवानों ने तत्काल रोशनी बंद करा दी। कहा, अंधेरे में ही यात्रा पूरी करें।

सुरक्षा के लिहाज से यह कदम उठाया गया है। मुकेश के अनुसार भाई ने बताया कि यात्रा मार्ग में सन्नाटा है। जिससे लोग डर रहे हैं। अचानक भीड़ गायब हो गई है। पूरे मार्ग में जवान ही दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि रितेश दरवार से कटरा जा रहे हैं। शुक्रवार दोपहर उनकी वापसी की ट्रेन है। हालात को देखते हुए हर घंटे हालचाल ले रहे हैं।

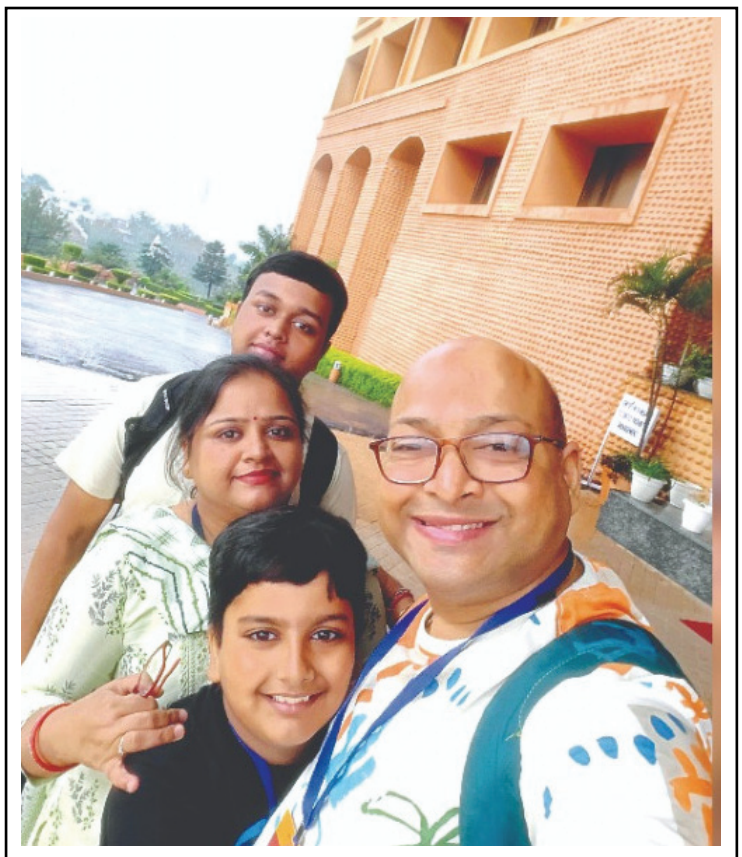

नौकरी का झांसा देकर 15 लाख की ठगी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बेटियों की रेलवे व सरकारी अस्पताल में नौकरी लगवाने का झांसा देकर महिला ने दंपति से 15 लाख की ठगी की। नौकरी न लगने पर पीड़ित ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी महिला समेत उनके दो बेटियों ने धमकाया। पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर के आदेश पर रेलबाजार थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

रेलबाजार के मीरपुर कैंट निवासी लियाकत हुसैन के अनुसार सना फातिमा और हिना फातिमा ललितपुर जिले के मैरोनी सीएचसी में संविदा पर कार्यरत थीं। लियाकत ने बताया कि उनकी बेटियों को रोजाना कानपुर से ललितपुर आने जाने में समस्या होती थी। वर्ष 2021 में उनकी मुलाकात मध्य प्रदेश के भोपाल के गोविन्द नगर निवासी महिला शहजहां खान से हुई। जिसने लियाकत को बताया कि उसकी भोपाल और दिल्ली में कई बड़े अधिकारियों से पहचान है। वह उनकी दोनो बेटियों की सरकारी अस्पताल या रेलवे में नौकरी लगवा देगी। इसके बाद शहजहां ने उनकी बेटियों के शैक्षिक दस्तावेज भी मांगे। फिर जुलाई 2021 को शहजहां ने उन्हें फोन कर बेटियों की नौकरी लगवाने के नाम पर दो लाख की मांग की। इस पर लियाकत ने उन्हें दो लाख रुपये ट्रांसफर कर दिये।

कुछ समय बीत जाने के बाद शहजहां ने फिर से नौकरी के लिए डेढ़ लाख की मांग की। इस पर लियाकत ने फिर से रुपये भेजे।

सूचना

मेरी हाईस्कूल परीक्षा सन 2022 अनुक्रमांक 23195405 की अंकतालिका में मेरे पिता राजेश सिंह का नाम नीलम देवी व माता जी के नाम की जगह पिता का नाम राजेश सिंह अंकित हो गया है। जिसको सुधारकर माता का नाम नीलम देवी व पिता का नाम राजेश सिंह अंकित किया जाए ।

नेहा यादव

पताः डी /11 जानकीपुरम कल्यानपुर खुर्द, कल्यानपुर कानपुर नगर उत्तर प्रदेश

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
● आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
● वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
● C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
● ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
● डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा
आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएंः– ए0बीजी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्प्ब्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर
विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

सम्पादकीय

नारी गरिमा का पर्याय 'ऑपरेशन सिंदूर'

आखिरकार पहलगाम हमले के 15 दिन बाद भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला करके न केवल आतंकवादियों की कमर तोड़ी है बल्कि बड़बोले पाकिस्तान के दंभ को भी तोड़ा है। बेहद सुनियोजित व सटीक तथा नियंत्रित कार्रवाई से भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति जीरो टॉलरेंस की है। साथ ही सैन्य ठिकानों व नागरिक संस्थानों को निशाना न बनाकर मानवता का संदेश ही दिया है। बताया कि हमें आत्मरक्षा का अधिकार है। साथ ही दुनिया को यह भी बताया कि विश्व बंधुत्व हमारा सांस्कृतिक संकल्प है। लेकिन यदि हमारी बेटियों के सिंदूर छीने जाएंगे तो हम अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं लांघकर भी आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद करने से नहीं हिचकेंगे। यह भी कि मानवता के संरक्षण के संकल्प के साथ कि हम कभी नागरिक को निशाना नहीं बनाएंगे। गीता के उस संदेश का अनुपालन कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन जब युद्ध अपरिहार्य हो, तो फिर युद्ध लड़ना धर्म बन जाता है। पिछले दिनों देश में शीर्ष सैन्य नेतृत्व की सक्रियता और प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री के बयान इस सधी हुई कार्रवाई के संकेत दे रहे थे। इस कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ मानवता के सुरक्षा कवच के रूप में देखा जाना चाहिए। हमने बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के बाद इस कार्रवाई को तब अंजाम दिया जब पानी सिर से ऊपर गुजरने लगा। ऑपरेशन सिंदूर ने उन्हें भी जवाब दे दिया है जो भारतीय अस्मिता की रक्षा के लिये किए जा रहे सैन्य व कूटनीतिक उपक्रमों को लेकर सतही बयानबाजी कर रहे थे। उन्हें इस बार बालाकोट के यथार्थ की तरह सवाल उठाने का मौका नहीं मिलेगा। इस बार के हमले के तमाम फोटो-वीडियो अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में तैर रहे हैं। बिहार की जनसभा में प्रधानमंत्री ने चेताया भी था कि आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि फिर वे ऐसा दुस्साहस न कर सकें। साथ ही गृहमंत्री ने कहा था कि जैसे जनता चाहती है, वैसा ही होगा। सचमुच वैसा ही हुआ है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की सीमित युद्ध की रणनीति व अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति सटीक रही। निस्संदेह, आतंकवाद के खिलाफ किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संयुक्त राष्ट्र सहित विश्वभर के तमाम अमन पसंद देशों की मोहर लगनी ही चाहिए। कौन नहीं जानता कि अमेरिका, इस्राइल समेत तमाम अनेक यूरोपीय देश अपने विरुद्ध किसी भी आतंकवादी हमले के सूत्रधारों को कुचलने में कभी विलंब नहीं करते। आज इस कार्रवाई के बाद अमेरिका व चीन समेत तमाम विश्व शक्तियों को भारत-पाक को एक तराजू में रखकर नसीहतें देने की बजाय ईमानदारी से शांति व मानवता के पाले में खड़ा होना होगा। साथ ही भारतीय नागरिक के रूप में एक बड़ी सोच के साथ हमें इस सर्जिकल स्ट्राइक पर युद्ध उन्माद का जश्न मनाने के बजाय संयम से आतंक के दमन के रूप मे देखना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सर्जिकल स्ट्राइक ने देश के आहत मर्म पर सांस्कृतिक और भावनात्मक मरहम भी लगाया है। यह बताया गया है कि विवाहिताओं द्वारा लगाए जाने वाला सिंदूर महज दिखावटी रस्म नहीं है। यह प्यार और रिश्तों में निरंतरता का पर्याय भी है। जब आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 पुरुषों की हत्या करके उनकी जीवन संगिनियों का सिंदूर पोंछा था, तो उस सिंदूर के मिटने के दर्द को पूरे देश ने गंभीरता से लिया। खासकर उस विवाहिता का दर्द जिसके हाथ की मेहंदी फीकी भी नहीं पड़ी थी।

भारतीय वैश्विक छवि मजबूत करेगा 'ऑपरेशन सिंदूर'

डॉ. जगदीप सिंह

यह स्ट्राइक भारत की उभरती वैश्विक शक्ति की छवि को मज़बूत करेगी और आर्थिक रूप से, यह पाकिस्तान को गहरे संकट में धकेल सकता है। भारत को भी सीमित नुकसान उठाना पड़ सकता है। भारत को अपनी कार्रवाइयों को आत्मरक्षा के रूप में वैध ठहराने के लिए मजबूत कूटनीति की आवश्यकता होगी।भारत द्वारा पाकिस्तान में की गई एयर स्ट्राइक, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' के रूप में जाना गया, भारत की उभरती वैश्विक शक्ति की छवि को मज़बूत करेगी। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों द्वारा हवाई क्षेत्र बंद करने और सिंधु जल संधि को निलंबित करने जैसे कदमों ने पहले ही क्षेत्रीय अस्थिरता क़ायम है। यह स्ट्राइक, मुरिदके और बहावलपुर में स्टैंड ऑफ हथियारों से की गई है। पाकिस्तान द्वारा इसे 'युद्ध का खुला ऐलान' कहे जाने के बाद वैश्विक शक्तियों को प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर कर सकती है। अमेरिका, भारत का रणनीतिक साझेदार है जो, आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के रूप में इसका समर्थन कर सकता है, जबकि चीन, पाकिस्तान का सहयोगी, उसके स्वर में बोलेगा, जिससे भारत-चीन तनाव और गहरा होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कूटनीतिक टकराव की संभावना है। जहां भारत इसे आत्मरक्षा मानता है और पाकिस्तान इसे आक्रामकता कहेगा।

आर्थिक रूप से, इस कार्रवाई का पाकिस्तान की कमजोर अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ेगा। इससे कूटनीतिक अलगाव का जोखिम भी है, जिससे दक्षिण एशिया में दीर्घकालिक अस्थिरता बढ़ सकती है।

पहलगाम हमले के बाद, भारत ने कठोर कदम उठाए थे जैसे पाकिस्तानी उड़ानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करना और सिंधु जल संधि को निलंबित करना। पाकिस्तान ने इसे 'युद्ध जैसी कार्रवाई' करार दिया, और इस एयर स्ट्राइक को 'संप्रभुता का उल्लंघन' बताकर जवाबी सैन्य कार्रवाई की धमकी दी। ऐतिहासिक रूप से, 2019 की बालाकोट स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने जवाबी हवाई हमले की कोशिश की थी। 2025 में, यदि पाकिस्तान सैन्य जवाब देता है, तो यह पूर्ण युद्ध में बदल सकता है, जिसका असर वैश्विक स्थिरता पर पड़ेगा। इसके अलावा, पाकिस्तान आतंकवादी समूहों जैसे जैश-ए-मोहम्मद को उकसा सकता है, जिससे भारत में और हमले हो सकते हैं।अमेरिका, जो भारत को क्वाड और इंडो-पैसिफिक रणनीति में महत्वपूर्ण साझेदार मानता है, इस स्ट्राइक को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के रूप में देख सकता है। हाल ही में भारत को 31 प्रीडेटर ड्रोन की बिक्री इसका सबूत है। हालांकि, अमेरिका युद्ध से बचने के लिए दोनों देशों को संयम बरतने की सलाह देगा। यदि स्ट्राइक के परिणामस्वरूप परमाणु जोखिम बढ़ता है, तो अमेरिका संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से मध्यस्थता की कोशिश कर सकता है।चीन, पाकिस्तान का निकटतम सहयोगी और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपैक) निवेशक है, इस स्ट्राइक की आलोचना करेगा। यह भारत-चीन संबंधों को और तनावपूर्ण बनाएगा। चीन पाकिस्तान को सैन्य और कूटनीतिक समर्थन दे सकता है। रूस, जो भारत का पारंपरिक सैन्य साझेदार है, संभवतः तटस्थ रुख अपनाएगा। भारत को एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की आपूर्ति और अन्य रक्षा सौदों के कारण रूस भारत का अप्रत्यक्ष समर्थन कर सकता है। हालांकि, रूस के लिए पाकिस्तान के साथ संबंध बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है, खासकर ऊर्जा और क्षेत्रीय प्रभाव के संदर्भ में। रूस दोनों देशों को बातचीत के लिए प्रोत्साहित करेगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यह स्ट्राइक तीव्र बहस का विषय बनेगी। भारत इसे आत्मरक्षा और आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के रूप में पेश करेगा। पाकिस्तान, दूसरी ओर, इसे संप्रभुता का उल्लंघन बताकर भारत के खिलाफ प्रतिबंधों की मांग करेगा। स्थायी सदस्यों अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस के परस्पर विरोधी हितों के कारण कोई ठोस प्रस्ताव पारित होना मुश्किल होगा। इस्लामिक सहयोग संगठन ओआईसी में पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को उठाकर समर्थन जुटाने की कोशिश करेगा, लेकिन भारत की सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों के साथ मजबूत कूटनीति इसे कमजोर कर सकती है। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन सार्क इस स्ट्राइक के बाद और कमजोर होगा। पाकिस्तान की पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था पर इस स्ट्राइक का विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। भारत द्वारा आईएमएफ से पाकिस्तान को मिलने वाले 7 बिलियन डॉलर के ऋण की समीक्षा की मांग करने से स्थिति और बिगड़ सकती है। हवाई क्षेत्र बंद होने से पाकिस्तान को दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के लिए लंबे हवाई मार्ग अपनाने पड़ रहे हैं, जिससे उसकी एयरलाइंस को भारी नुकसान हो रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार और हवाई संपर्क बंद होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होंगी। इस स्ट्राइक से आतंकवादी समूहों की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। इससे वैश्विक आतंकवाद विरोधी सहयोग पर दबाव बढ़ेगा।

स्थापित हुआ आतंकवाद के खिलाफ 'मोदी सिद्धांत'

सिंदूर का कर्ज

विवेक काटजू

अब भारत के राजनयिकों और राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेदारी है कि वे दुनिया को यह समझाएं कि ऑपरेशन सिंदूर की वैधता क्या है, पाकिस्तान पर आतंकवाद समाप्त करने का दबाव डाला जाए, और यह स्पष्ट किया जाए कि दो परमाणु संपन्न देशों के बीच तनाव की पहली सीढ़ी खुद एक आतंकी हमला होता है – और इसलिए पहलगाम हमला अपने आप में एक 'एस्केलेटरी' कदम था।भारतीय रक्षा बलों द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' के संचालन के साथ, स्वीकार्य न होने वाले पाकिस्तानी आतंकी हमले से निपटने के संबंध में एक निर्णायक 'मोदी सिद्धांत' अब पूरी तरह से स्थापित हो चुका है। इस सिद्धांत की शुरुआत 2016 में उरी आतंकी हमले के बाद की गई सर्जिकल स्ट्राइक से मानी जा सकती है।

इन सर्जिकल स्ट्राइक्स में नियंत्रण रेखा के पार पाकिस्तान के आतंकी लॉन्च पैड्स को निशाना बनाया गया था। इनकी खासियत यह थी कि भारत ने पहली बार सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया कि उसने आतंकवादी हमले के जवाब में सैन्य कार्रवाई की है। दूसरी बार प्रधानमंत्री ने फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के बाद सैन्य बल प्रयोग की अनुमति दी। भारतीय वायुसेना ने बालाकोट में एक आतंकी ठिकाने को निशाना बनाया था। अगले दिन, भारत और पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों के बीच मुठभेड़ हुई। उस डॉगफाइट में एक भारतीय पायलट को पाकिस्तान में पैराशूट से उतरना पड़ा। पाकिस्तानी अधिकारियों ने तत्काल उसे भारत को सौंप दिया ताकि स्थिति और न बिगड़े। हालांकि उन्होंने यह भी दावा किया कि बालाकोट हमले से कोई नुकसान नहीं हुआ।'ऑपरेशन सिंदूर' इस दृष्टि से अलग रहा है कि इसमें तीनों सेनाओं — थल सेना, वायु सेना और नौसेना — ने मिलकर काम किया। इसके तहत उन मुख्य आतंकी संगठनों के मुख्यालयों को निशाना बनाया गया जो जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य

हिस्सों में आतंकवाद फैला रहे थे। सात मई की सुबह, नौ आतंकी अड्डों पर हमले किए गए। खास तौर पर, यह अभियान लश्कर-ए-तैयबा के मुरिदके स्थित मुख्यालय और जैश-ए-मोहम्मद के बहावलपुर स्थित मुख्यालय पर केंद्रित था। ये दोनों आतंकी संगठन भारत में विशेष रूप से घृणा का विषय हैं, क्योंकि इन्होंने अतीत में बेहद घातक हमले किए हैं।विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर ब्रीफिंग देते हुए कहा, 'पाकिस्तान-प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में भारतीय पर्यटकों पर बर्बर हमला किया, जिसमें 26 लोगों की हत्या कर दी गईज़ इस हमले में विशेष रूप से क्रूरता दिखाई गई, क्योंकि अधिकतर पीड़ितों को उनके परिवार के सामने बहुत नजदीक से गोली मारकर मारा गया। परिवारजनों को जानबूझकर इस तरह से प्रताड़ित किया गया कि वे यह भयावह संदेश लेकर लौटें।' उन्होंने आगे कहा' 'एक संगठन जिसने खुद को 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' कहा है, उसने हमले की जिम्मेदारी ली है, लेकिन यह यूएन द्वारा प्रतिबंधित पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक मुखौटा संगठन है।'पहलगाम आतंकी हमला न केवल व्यापक आक्रोश का कारण बना, बल्कि इसलिए भी कि यह पूरी तरह से सांप्रदायिक नजरिया लिये था और निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया था। लश्कर और इसके नेता हाफिज सईद को भारत के राष्ट्रीय मानस में विशेष घृणा के साथ देखा जाता है, क्योंकि उन्होंने ही 26/11 मुंबई हमला किया था। भारत को यह भी नहीं भूला है कि पाकिस्तान इस हमले के दोषियों को न्याय के कठघरे में नहीं लाया, भले ही उसने लश्कर की भूमिका को स्वीकार किया था।

इसी तरह जैश और इसके नेता मसूद अजहर को लेकर भी भारत में अत्यधिक आक्रोश है, क्योंकि इसके कारण ही कंधार विमान अपहरण हुआ और 2001 में संसद पर हमला भी हुआ।इसलिए बहावलपुर और मुरिदके पर हुए हमले भारतीयों के लिए गहरा महत्व रखते हैं। ये संगठन और इनके नेता वस्तुतः पाकिस्तानी राज्य के ही अंग हैं, जिन्हें एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर आने के लिए पाकिस्तान को मजबूरन निशाना बनाना पड़ा। लेकिन ये कार्रवाई महज दिखावटी थीं। वास्तव में, ये दोनों संगठन पाकिस्तानी समाज के कुछ वर्गों में इतनी गहरी पैठ बना चुके हैं ।

कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जिससे सबसे लंबे प्रारूप में उनके भविष्य को लेकर सभी अटकलें खत्म हो गईं। यह 38 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर के दूसरे हिस्से में भारत के सबसे सफल टेस्ट बल्लेबाजों में से एक था। रोहित ने 67 टेस्ट में 12 शतक और 18 अर्धशतक की मदद से 40.57 की औसत से 4301 रन बनाए। पिछले साल विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से पहले ही संन्यास ले चुके रोहित अब भारत के लिए केवल वनडे प्रारूप में ही नजर आएंगे। रोहित ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी टेस्ट कैप के साथ एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, ''सभी को नमस्कार, मैं बस यह साझा करना चाहता हूं कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। सफेद जर्सी में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात रही है।'' उन्होंने लिखा, ''इतने सालों तक मिले प्यार और समर्थन के लिए आपका शुक्रिया। मैं वनडे प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना जारी रखूंगा।

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की कप्तानी की। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पिछली श्रृंखला और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बोर्डर-गावस्कर श्रृंखला के अलावा कप्तान के रूप में उनका प्रदर्शन प्रभावी रहा। इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारत के पास एक नया टेस्ट कप्तान होगा जिसके संभावित उम्मीदवार जसप्रीत बुमराह, लोकेश राहुल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत हो सकते हैं।रोहित ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान कठिन दौर का सामना किया, जहां उन्हें खराब फॉर्म के कारण अंतिम एकादश से बाहर होने का फैसला करना पड़ा। पर उन्होंने उस समय संन्यास लेने से इनकार कर दिया था। मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ उनके मतभेदों की भी काफी अटकलें रही थीं जिन्होंने पिछले साल जुलाई में कार्यभार संभालने के बाद भारतीय क्रिकेट में 'स्टार संस्कृति' खत्म करने की बात की थी। दोनों ने लगातार इस बात का खंडन किया। लेकिन गंभीर ने बार बार स्पष्ट किया है कि केवल प्रदर्शन ही टीम में चयन सुनिश्चित करेगा।

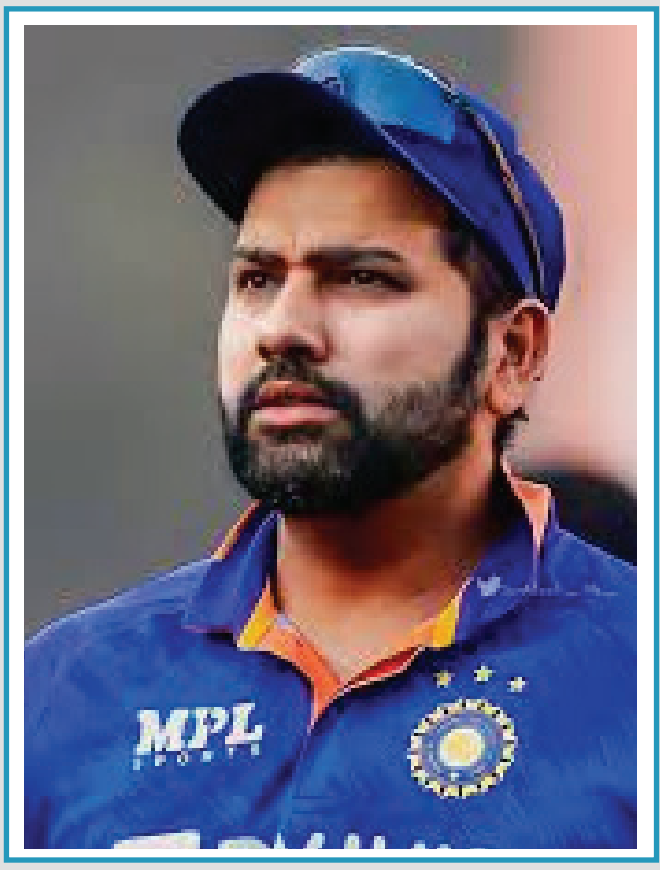

प्रदेश के लिए नजीर किशनपुर की कान्हा गौशाला

» नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने किया निरीक्षण

» गोवंशों के लिए किए गए इंतजाम देख कर सन्तोष व्यक्त किया गया

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी की परिकल्पना के अनुरूप नगर निकाय क्षेत्रों में स्थापित गौशालाओं में संरक्षित गोवंश के नियमित संरक्षण तथा व्यापक खाद्यान्न व चिकित्सा संबंधी व्यवस्थाओं के नियमित पर्यवेक्षण के निर्देश हैं । कानपुर की किशनपुर कान्हा गौशाला प्रदेश के लिए नजीर पेश कर रही है।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार द्वारा कान्हा गौशाला, किशनपुर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। सीवीओ डॉक्टर आरके निरंजन ने बताया किकान्हा गौशाला में कुल 5259 गौवंश (1251 नर गौवंश एवं 4008 मादा गौवंश) को संरक्षित किया गया है। वहीं गौशाला में निर्मित समस्त शेडो की चरहियो में पर्याप्त मात्रा में भूसा, चोकर एवं हराचारा पाया गया। गौशाला में संरक्षित गौवंशो को पीने का उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्मित नादो में साफ-सफाई के साथ-साथ स्वच्छ जल भी पाया गया। गौशाला में पानी की आपूर्ति हेतु एक विशाल ओवर हैड टैंक उपलब्ध है।

कान्हा गौशाला में स्थित 02 भूसा भण्डारण कक्ष में लगभग 2000.00 कु0 भूसा एवं 100.00 कु0 चोकर उपलब्ध पाया गया, जिस पर नगर आयुक्त के द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। गौशाला में संरक्षित गौवंश को प्रतिदिन हराचारा उपलब्ध कराने हेतु 200.00 – 300.00 कु0 हराचारा की आपूर्ति होती है, जो कि तद्दिनांक ही गौवंशो को खिलाया जाता है।

आगामी माह में सम्भावित भीषण गर्मी पड़ने पर गौवंश के बचाव हेतु शेडो में पंखे तथा मिस्ट की व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया है। कान्हा गौशाला में संरक्षित गौवंशो से उत्पादित गोबर का शत-प्रतिशत उपयोग कर वर्मीकम्पोस्ट, गोबर-गैस प्लांट तथा अन्य उत्पाद जैसे गोबर पेंट का उत्पादन करने के निर्देश दिये गये। नगर आयुक्त को अवगत कराया गया कि एक दर्जन से अधिक ग्रामीण महिलाओं द्वारा उपलो का निर्माण किया जा रहा है, जिससे प्रति माह रू0 40,000.00 की आय नगर निगम को हो रही है, साथ ही साथ वर्मी कम्पोस्ट का भी निर्माण कराया जा रहा है।

वर्तमान में नेपियर घास का उत्पादन कान्हा गौशाला में किया जा रहा है, जिसका क्षेत्रफल 01 एकड़ है। नगर आयुक्त के द्वारा नेपियर का क्षेत्रफल बढ़ाकर 01 से 10 एकड़ करने के निर्देश दिये गये है।

गौशाला के बाहर पानी का जमाव पाये जाने पर उनके द्वारा इंजीनियरिंग विभाग को पानी की निकासी के लिये प्रस्ताव बनाकर प्रेषित किये जाने हेतु आदेशित किया गया।

नगर आयुक्त द्वारा नव निर्मित राधिका उपवन में गौवंश की संख्या कम पाये जाने पर यह निर्देश दिये गये कि यहॉ पर नगरीय क्षेत्र से पकड़कर 1000 गौवंश लाये जाये और उनको संरक्षित किया जाये। नगर आयुक्त के द्वारा कान्हा गौशाला परिसर में स्थित वेटनरी हास्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर का निरीक्षण किया गया। ट्रामा सेंटर में रखकर 08 गौवंश की समुचित चिकित्सा की जा रही है। वहॉ पर उपस्थित पशुचिकित्सा अधिकारी डा0 हरिकान्त के द्वारा यह अवगत कराया गया कि वह स्वयं प्रतिदिन गौवंश की चिकित्सा का कार्य देखते है, साथ ही साथ 24 घण्टे के लिये पैराबेट की नियुक्ति भी की गयी है। मौके पर सीवीओ डा0 आर0के0 निरंजन के साथ डा0 शिल्पा सिंह, पशुचिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी, डा0 हरिकान्त, पशुचिकित्सा अधिकारी, पशुपालन विभाग, श्री दिनेश कुमार, राजस्व निरीक्षक, श्री ऋषीकेश, गौशाला प्रभारी एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहें।

एबीसी सेंटर का भी किया निरीक्षण

किशनपुर स्थित नवीन ए0बी0सी0 सेन्टर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। ए0बी0सी0 सेन्टर 20 दिन पूर्व प्रारम्भ किया गया है। मौके पर एक ही वेटरिनरी सर्जन के द्वारा सर्जरी की जा रही है, जिससे प्रतिदिन लगभग 20 सर्जरी हो पाती है। नगर आयुक्त के द्वारा निर्देशित किया गया कि ए0बी0सी0 सेन्टर को उसकी पूर्ण क्षमता से संचालित कर प्रतिदिन 40 कुत्तो की नसबन्दी की जाये। ए0बी0सी0 सेन्टर और कान्हा गौशाला के मध्य गेट का निर्माण कराया जाये। मौके पर उपस्थित वेटनरी सर्जन डा0 प्रदीप दीक्षित के द्वारा यह अवगत कराया गया कि नगरीय क्षेत्रो से आवारा कुत्तो को पकड़कर ए0बी0सी0 सेन्टर पर नसबन्दी कार्य हेतु लाया जाता है तथा पकड़ने जाने के अगले दिन उनकी सर्जरी की जाती है तत्पश्चात् दो दिन की पोस्ट ऑपरेटिव केयर कर तथा एन्टी रेबीज टीका लगाने पश्चात कुत्तो को उनके मूल स्थान पर ही छोड़ दिया जाता है। नगर आयुक्त महोदय के द्वारा सम्पूर्ण नसबन्दी की कार्यवाही, ए0बी0सी0 रूल्स 2023 के अनुसार सुनश्चित करने के निर्देश भी दिये ।

बीमार पशुओं के उपचार प्रबन्धन को सराहा

नगर आयुक्त के द्वारा नगरीय क्षेत्र से लाये जा रहे दुर्घटनाग्रस्त/बीमार/अशक्त/ घायल/वृद्व गौवंश की जा रही चिकित्सा कार्य पर प्रसन्नता व्यक्त की गयी और नगर निगम द्वारा दी जा रही वेटनरी एम्बुलेंस की सुविधा को और बेहतर करने तथा ट्रामा सेन्टर में बीमार गौवंश को लाकर गहन चिकित्सा के निर्देश भी दिये गये। सम्पूर्ण गौशाला एवं वेटनरी हास्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर की निरीक्षण के उपरान्त उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया गया।

देश में ऑनलाइन गेम के बढ़ते खतरे पर कैसे लगेगी लगाम ?

भारत में ऑनलाइन लूडो का चलन तेजी से बढ़ रहा है, खासकर युवाओं और कम आय वर्ग के लोगों के बीच। इसकी आसान उपलब्धता और कम समय में ज्यादा पैसे कमाने के लालच ने लाखों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। रमेश, एक मध्यमवर्गीय परिवार का साधारण युवक था। शहर के एक निजी कंपनी में मामूली वेतन पर काम करता और अपने छोटे से परिवार के साथ खुशहाल जीवन बिता रहा था। उसकी दिनचर्या काम से घर और कभी-कभार दोस्तों के साथ चाय पीने तक ही सीमित थी। लेकिन कुछ महीने पहले, उसके एक सहकर्मी ने उसे ऑनलाइन लूडो के एक ऐप के बारे में बताया। शुरुआत में रमेश ने इसे सिर्फ मनोरंजन का एक साधन समझा। काम से लौटने के बाद या खाली समय में वह दोस्तों या अनजान लोगों के साथ लूडो खेलता, और कभी-कभार छोटी-मोटी बाजी भी लगा लेता।

शुरुआत में सब कुछ रोमांचक और मजेदार लग रहा था। जीत की खुशी और हार का मामूली गम, यह सब उसकी नीरस जिंदगी में एक नया रंग भर रहा था। धीरे-धीरे, रमेश इस खेल का आदी होता चला गया। अब वह काम के दौरान भी चोरी-छिपे लूडो खेलने लगा था, और घर पर परिवार को कम समय देता था। उसकी पत्नी अक्सर शिकायत करती कि वह अब पहले जैसा नहीं रहा, हमेशा फोन में ही घुसा रहता है। रमेश इन बातों को अनसुना कर देता, उसे तो बस अगली बाजी जीतने की धुन सवार रहती थी।

एक दिन, रमेश ने एक बड़े दांव पर अपनी महीने भर की कमाई लगा दी। उसे पूरा भरोसा था कि वह जीत जाएगा, लेकिन किस्मत ने उसका साथ नहीं दिया और वह बुरी तरह हार गया। इस हार ने उसे अंदर तक झकझोर दिया। वह समझ नहीं पा रहा था कि अब वह घर कैसे चलाएगा और अपनी पत्नी को क्या जवाब देगा। रातों की नींद उड़ गई, और वह हर समय उदास और चिड़चिड़ा रहने लगा। रमेश अकेला नहीं था जो इस ऑनलाइन लूडो के जाल में फंसा था। भारत में ऑनलाइन लूडो का चलन तेजी से बढ़ रहा है, खासकर युवाओं और कम आय वर्ग के लोगों के बीच। इसकी आसान उपलब्धता और कम समय में ज्यादा पैसे कमाने के लालच ने लाखों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। यह सिर्फ एक खेल नहीं रह गया है, बल्कि एक तरह का नशा बन गया है जो लोगों की जिंदगी बर्बाद कर रहा है।ऑनलाइन लूडो के कई खतरे हैं जिन पर ध्यान देना जरूरी है। सबसे पहला खतरा है आदत लगना और लत में बदलना। यह खेल इतना आकर्षक और आसान है कि लोग आसानी से इसके आदी हो जाते हैं। लगातार खेलने की इच्छा और हर बार जीतने की उम्मीद उन्हें घंटों तक स्क्रीन से चिपके रहने पर मजबूर कर देती है, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। नींद की कमी, आंखों में दर्द, तनाव और चिंता जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। दूसरा बड़ा खतरा है वित्तीय नुकसान। ऑनलाइन लूडो में अक्सर पैसे की बाजी लगाई जाती है। जीतने का लालच लोगों को अपनी जमा पूंजी और यहां तक कि कर्ज लेकर भी दांव लगाने के लिए प्रेरित करता है। हारने पर उन्हें भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ता है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है। कई मामले ऐसे सामने आए हैं जहां लोगों ने कर्ज के बोझ तले दबकर आत्महत्या तक कर ली है। तीसरा खतरा है सामाजिक अलगाव। जो लोग ऑनलाइन लूडो के आदी हो जाते हैं, वे धीरे-धीरे अपने परिवार

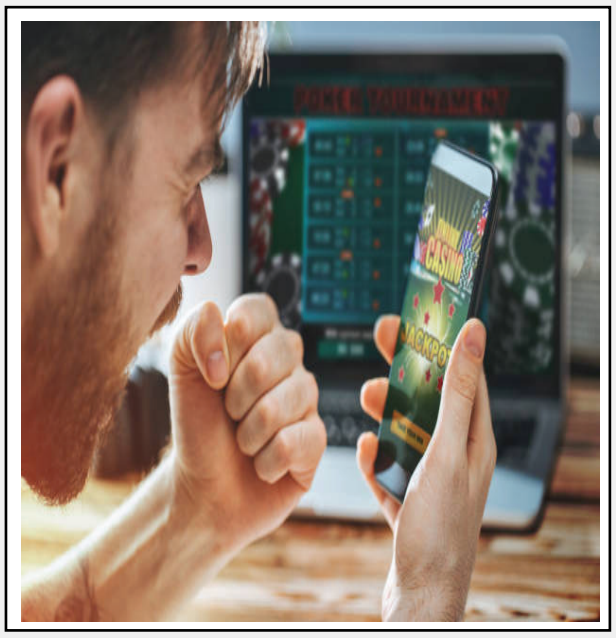

और दोस्तों से दूर होने लगते हैं। उन्हें वास्तविक दुनिया से कोई सरोकार नहीं रह जाता और वे अपनी आभासी दुनिया में ही खोए रहते हैं। इससे उनके सामाजिक संबंध कमजोर हो जाते हैं और वे अकेलेपन का शिकार हो जाते हैं। चौथा खतरा है धोखाधड़ी और जालसाजी। ऑनलाइन लूडो प्लेटफॉर्म पर कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां खिलाड़ियों के साथ धोखाधड़ी की जाती है। कुछ ऐप गैरकानूनी तरीके से काम करते हैं और खिलाड़ियों से पैसे ऐंठ लेते हैं। इसके अलावा, कुछ खिलाड़ी हैकिंग या अन्य गलत तरीकों का इस्तेमाल करके दूसरों को हराते हैं, जिससे ईमानदार खिलाड़ियों को नुकसान होता है।अब सवाल यह उठता है कि इस ऑनलाइन लूडो के बढ़ते खतरे पर लगाम कैसे लगाई जाए? इसके लिए कई स्तरों पर काम करने की जरूरत है। सबसे पहले लोगों को ऑनलाइन लूडो के खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। इसके लिये सरकार और गैर-सरकारी संगठनों को मिलकर जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों को इसके नकारात्मक प्रभावों के बारे में बताना चाहिए। मीडिया भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। लोगों को यह समझना होगा कि यह सिर्फ एक मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि एक गंभीर लत बन सकता है जो उनकी जिंदगी बर्बाद कर सकता है।

इसके अलावा ऑनलाइन लूडो प्लेटफॉर्म को कानूनी दायरे में लाना जरूरी है। सरकार को ऐसे नियम और कानून बनाने चाहिए जो इन प्लेटफॉर्म की गतिविधियों को नियंत्रित करें और खिलाड़ियों के हितों की रक्षा करें। सट्टेबाजी को बढ़ावा देने वाले ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के लिए लाइसेंसिंग और विनियमन की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि धोखाधड़ी और जालसाजी को रोका जा सके। ऑनलाइन लूडो ऐप्स में ऐसे फीचर होने चाहिए जो खिलाड़ियों को अपनी खेलने की सीमा निर्धारित करने और समय-समय पर ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित करें। ऐप्स में एक चेतावनी प्रणाली होनी चाहिए जो खिलाड़ियों को अत्यधिक खेलने या पैसे गंवाने पर सतर्क करे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग करके लत लगने के शुरुआती लक्षणों का पता लगाया जा सकता है और खिलाड़ियों को समय पर सहायता प्रदान की जा सकती है।

ऑनलाइन लूडो की लत के जो लोग शिकार हो चुके हैं, उन्हें मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करना भी जरूरी है। सरकार को नशा मुक्ति केंद्रों और हेल्पलाइन नंबरों की स्थापना करनी चाहिए जहां ऐसे लोग मदद मांग सकें। परिवार और दोस्तों को भी ऐसे लोगों का समर्थन करना चाहिए और उन्हें इस लत से बाहर निकलने में मदद करनी चाहिए।इसके अलावा माता-पिता को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे ऑनलाइन लूडो या किसी अन्य हानिकारक ऑनलाइन गेम के आदी न हों। बच्चों को स्क्रीन टाइम को सीमित करने और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

बढ़ावा देने वाले स्टार प्रचारकों पर हो सख्त कार्रवाई

विभिन्न राज्यों में ऑनलाइन लूडो और अन्य ऑनलाइन गेम्स को बढ़ावा देने वाले स्टार प्रचारकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की खबरें भी सामने आती रहती हैं। सितंबर 2024 में, तमिलनाडु ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी (टीएनओजीए) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए को बढ़ावा देने के लिए लगभग आधा दर्जन यूट्यूबर, इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर और एक निजी फर्म के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की।टीएनओजीए ने इन सोशल मीडिया हस्तियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए और उनके जवाबों से असंतुष्ट होने पर मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट, सैदापेट में कानूनी कार्यवाही शुरू की। यदि दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 5 लाख से 10 लाख रुपये तक का जुर्माना और तीन साल तक की जेल हो सकती है।खबरों के अनुसार, कुछ फिल्म हस्तियां जो पहले सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए को बढ़ावा देने में शामिल थीं, वे भी जांच के दायरे में हैं।

कुल मिलाकर रमेश की कहानी एक चेतावनी है। उसने मनोरंजन के लिए शुरू किया था, लेकिन कब वह इस जाल में फंस गया उसे पता ही नहीं चला। वित्तीय नुकसान और पारिवारिक कलह के बाद, उसे अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने एक मनोचिकित्सक से सलाह ली और धीरे-धीरे इस लत से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है। उसकी कहानी उन लाखों लोगों के लिए एक सबक है जो ऑनलाइन लूडो को हल्के में ले रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)**

अधिवक्ता ने वृद्धाश्रम में सेलिब्रेट की मैरिज एनिवर्सरी

»युवा अधिवक्ता आशुतोष मिश्रा ने विवाह की दसवीं एनिवर्सरी की खुशियां वृद्धाश्रम के वृद्ध लोगों के साथ की साझा

» वृद्धाश्रम में निवास कर रहे प्रत्येक वृद्ध जनों को बाटे फल

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। जनपद कानपुर देहात की नगर पंचायत रनिया स्थित वृद्धाश्रम में युवा अधिवक्ता आशुतोष मिश्रा अपनी पत्नी जया मिश्रा एवं बच्चों के साथ सायं लगभग 4:00 बजे पहुंचे वहां पर पहुंच कर सभी वृद्ध जनों से आत्मीय मुलाकात की एवं वृद्ध जनों से अपने परिवार की खुशी के लिए आशीर्वाद मांगा अपने वैवाहिक जीवन की दसवीं वर्षगांठ के उपलक्ष पर वृद्धाश्रम में निवास कर रहे सभी वृद्ध लोगों को फल वितरण किया।

आशुतोष मिश्रा ने कहा हम सब समाज के जागरूक लोग अपने वैवाहिक वर्षगांठ हो या बच्चों का जन्मदिन या अन्य कोई उपलक्ष हो,हम सभी लोगों को अपना सामाजिक दायित्व निभाते हुए ऐसी जगहो पर जाकर अपनी खुशियां ऐसे जरूरतमंद लोगों के साथ साझा करना चाहिए ,हम लोग होटल में जाकर पश्चात सभ्यता का अंधानुकरण करने की होड़ में हजारों लाखों रुपए यूं ही पार्टी करने में शराब आदि व्यसन करके बर्बाद कर देते हैं, अगर हम सब जन मिलकर इसी तरीके से अपनी खुशियों को वृद्धाश्रम हो या अनाथालय हो या अन्य कोई ऐसी जगह जहां पर ऐसे जरूरतमंद लोग निवास करते हो जिनको हमारी जरूरत है

हमारे सहयोग की जरूरत है, वहां हम सब मनाने को अपनी आदत में शामिल कर ले तो यह एक बहुत बड़ी सामाजिक चेतना होगी,

ऐसी चेतना समाज में जागृत होने से समाज में एकदम से परिवर्तन आएगा सभी लोगों ऐसी जगहों पर पहुंचने को अपनी आदत में शामिल कर लेंगे।

जिससे सभी लोग अपनी खुशियां जरूरतमंद लोगों के साथ साझा करने लगेंगे, जिससे हमें उनका आशीर्वाद भी मिलता रहेगा एवं अपने पैसे सही जगह खर्च करके ईश्वर की नजरों में भी अपने आप को धन्य बना पाएंगे।

आश्रम के सबसे बुजुर्ग केसरी प्रसाद शर्मा 101 वर्ष की उम्र पार कर चुके एवं आश्रम के मैनेजर श्रीश दत्त कला का साल पहनकर स्वागत किया, फल वितरण में आशुतोष मिश्रा वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ उनकी पत्नी जया मिश्रा दोनों पुत्रियां एवं पुत्र के साथ उनके सहयोगी अधिवक्ता अंकित शुक्ला तथा समाजसेवी एवं अखिल भारतीय सनातन संघर्ष समिति के अध्यक्ष आदित्य शुक्ला , विमल कुमार शुक्ला एवं वृद्धाश्रम की मैनेजमेंट की टीम में वृद्धाश्रम के सचिव राजेंद्र सिंह राजावत, प्रबंधक श्रीश दत्त काला, राजन सिंह, रामजी दुबे एवं ऋषभ तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

देवीपुर हाइवे सर्विस लेन पर

कहीं टेम्पो स्टैंड तो कहीं कूड़ाघर

» ओवरब्रिज की सर्विस रोड पर ग्रामीणों ने अतिक्रमण शुरू कर दिया है

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर देवीपुर गांव के पास बनाए गए ओवरब्रिज की सर्विस रोड पर ग्रामीणों ने दोबारा अतिक्रमण शुरू कर दिया है। कभी साफ और सुगम यातायात के लिए बनी ये सड़कें अब या तो कूड़े से पट चुकी हैं या टेंपो-रिक्शा स्टैंड में तब्दील हो चुकी हैं। पूरब की सर्विस लाइन पर टेम्पो चालकों का कब्जा है तो पश्चिम की ओर ग्रामीणों ने जानवर बांधकर, लकड़ी व गोबर जमा कर सड़क को पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया है। नतीजा यह कि दोपहिया वाहन भी बड़ी मुश्किल से निकल पा रहे हैं।

स्थानीय लोगों की मानें तो प्रशासन और पुलिस चौकी की मौजूदगी के बावजूद अतिक्रमण पर कोई रोक नहीं लग पा रही है। सर्विस रोड के दोनों ओर डिवाइडर पर भी गोबर और लकड़ी का जमावड़ा बना है, जिससे रास्ता फिसलन भरा और बदबूदार हो गया है। कई चारपहिया वाहन तो मजबूरी में ओवरब्रिज पर चढ़कर फिर नीचे उतरते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर क्यों प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है?

क्या बोले एनएचएआई अधिकारी-

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक तरवीण शेखावत ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले ग्रामीणों को कचरा न डालने की सख्त हिदायत दी गई थी।

आर्थिक तंगी के चलते शिक्षामित्र ने की खुदकुशी

स्थानीय लोगों का कहना है कि अनिल पिछले कई दिनों से बेहद परेशान और तनाव में था

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। संदलपुर विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय पिंडार्थू में कार्यरत शिक्षामित्र अनिल कुमार ने गुरुवार को आर्थिक तंगी से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि अनिल रोज की तरह स्कूल गया था और छुट्टी के बाद घर लौटा। उस समय घर के अन्य सदस्य बाहर गए हुए थे। अकेलेपन और मानसिक तनाव में डूबे अनिल ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

परिजनों के लौटने पर जब दरवाजा खोला गया तो घर के दृश्य ने सभी को झकझोर कर रख दिया। आनन-फानन में अनिल को फंदे से उतारा गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना मिलते ही सिकंदरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अनिल पिछले कई दिनों से बेहद परेशान और तनाव में था। उसके चेहरे पर गहरी चिंता साफ झलक रही थी। माना जा रहा है कि लगातार बढ़ती महंगाई और मात्र 10,000 की मासिक आय से परिवार चलाना संभव नहीं होने के कारण वह मानसिक रूप से टूट गया था।

अनिल की मौत की खबर मिलते ही आदर्श शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष महेंद्र पाल, शिक्षामित्र अरविंद यादव, बीरेंद्र पाल, प्रताप सिंह यादव सहित अन्य सदस्य मृतक के घर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी और इस दुखद घटना को सरकारी संवेदनहीनता का नतीजा बताया।

जिलाध्यक्ष महेंद्र पाल ने कहा, महज 10,000 में आज के दौर में एक शिक्षामित्र अपने परिवार का भरण-पोषण कैसे करे? यह कोई पहली घटना नहीं है, ऐसी आत्महत्याएं अब आम होती जा रही हैं। सरकार को चाहिए कि शिक्षामित्रों की स्थिति पर गंभीरता से विचार करे और उन्हें स्थायी समाधान दे।

घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और हर आंख नम थी। यह सिर्फ एक शिक्षामित्र की आत्महत्या नहीं, बल्कि उस तंत्र पर करारा तमाचा है, जो जमीनी कर्मचारियों की पीड़ा से मुंह मोड़े बैठा है।

आयुष योजना में लापरवाही बर्दाश्त नही-सीडीओ

» सीडीओ ने मीटिंग में दी सख्त हिदायतें,

» मूलभूत सुविधाएं और स्टाफ की शत-प्रतिशत उपस्थिति होगी अनिवार्य

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले में आयुष चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन की अध्यक्षता में जिला आयुष समिति की महत्वपूर्ण बैठक विकास भवन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी, सहायक मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला चिकित्सालय अधीक्षक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एवं जिला औषधि निरीक्षक मौजूद रहे। बैठक में सीडीओ ने निर्देश दिए कि सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में हर्बल गार्डन की स्थापना की जाए। साथ ही भवनों का उच्चीकरण व ब्रांडिंग कर जनमानस को जागरूक करने के लिए योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति अनिवार्य रूप से की जाए।

सीडीओ लक्ष्मी एन ने दो टूक कहा कि हर आयुष चिकित्सालय में मूलभूत सुविधाओं का समुचित विकास हो और चिकित्सकों व पैरा मेडिकल स्टाफ की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी केंद्रों पर आवश्यक दवाओं की निर्बाध आपूर्ति रहे, जिससे आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों से इस दिशा में समयबद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

आईटीएमएस से बदली अयोध्या की सूरत

» 36 हजार से ज्यादा चालान, सड़क सुरक्षा में बड़ा सुधार

» 20 स्थानों में 6 स्थानों पर निष्क्रिय है आईटीएमएस व्यवस्था

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अयोध्या में लागू किया गया इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) शहर के यातायात में अनुशासन और सुरक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया है। 47 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना की शुरुआत वर्ष 2022 में की गई थी, जिसका उद्घाटन स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। अब तक इसके पहले चरण के तहत शहर के 20 प्रमुख चौराहों को ट्रैफिक लाइट और हाईटेक निगरानी कैमरों से लैस किया जा चुका है।

नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा

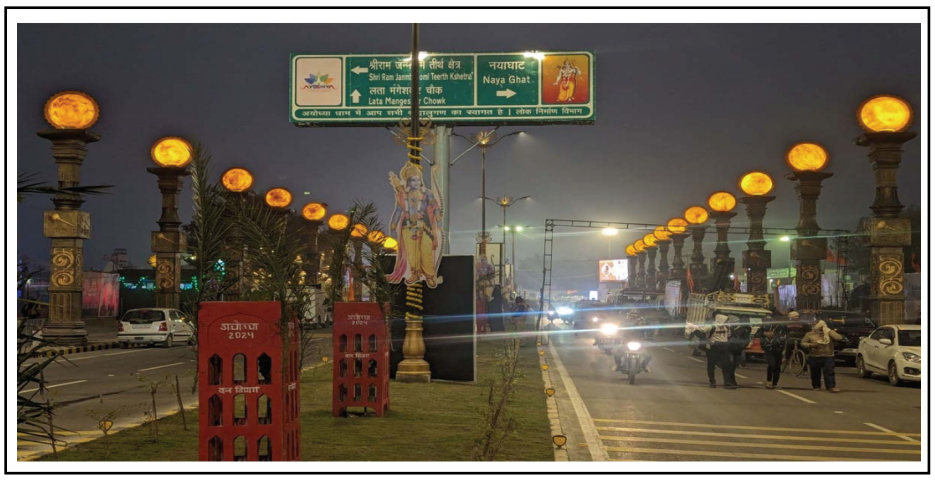

नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने कहा आईटीएमएस के लागू होने के बाद से अयोध्या में सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई है। अभी तक किसी बड़ी दुर्घटना की कोई सूचना नहीं है। पहले जहां तीर्थस्थलों और मुख्य बाजारों में जाम आम बात थी, वहीं अब यातायात अधिक सुव्यवस्थित और सुगम हो गया है।

गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, आईटीएमएस के जरिए अब यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ स्वचालित चालान प्रणाली प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है। लालबत्ती कूदने, बिना हेलमेट के वाहन चलाने जैसे मामलों को कैमरे रिकॉर्ड करते हैं और उसी आधार पर डिजिटल चालान स्वत: जारी कर दिए जाते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस तकनीकी पहल के तहत अब तक 36,555 चालान जारी किए जा चुके हैं, जिससे मंदिर नगरी अयोध्या में सड़क अनुशासन को नई मजबूती मिली है।

चालान से अब तक 3.66 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जिसमें से 12.35 लाख रुपये पहले ही वसूल किए जा चुके हैं। आईटीएमएस के कैमरे न केवल यातायात निगरानी बल्कि अपराध नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन में भी पुलिस की मदद कर रहे हैं।

खासकर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान इस प्रणाली ने भीड़ नियंत्रण में अहम भूमिका निभाई थी।हालांकि, नगर निगम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सभी 20 चौराहों पर लाइटें लगाई जा चुकी हैं लेकिन फिलहाल 14 चौराहों पर ही यह प्रणाली पूरी तरह से सक्रिय है। शेष 6 स्थानों—शहादतगंज बाईपास, शांति चौक, साकेत पेट्रोल पंप, हनुमान गुफा और देवकाली बाईपास—पर निर्माण कार्य चलने के कारण सिग्नल अस्थायी रूप से निष्क्रिय हैं।

एयर गन के साथ दर्शन पथ पर पकड़ा गया संदिग्ध युवक

» असली नही डमी निकली बरामद की गई एयर गन

» बरेली का रहने वाला है पकड़ा गया युवक

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। राम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन पथ पर बृहस्पतिवार शाम एक युवक को एयर गन के साथ पकड़े जाने से अफरा-तफरी मच गई। युवक रामलला के दर्शन के लिए मंदिर परिसर में प्रवेश कर रहा था। जब उसका बैग स्कैन किया गया तो बैगेज स्कैनर से दो छोटी एयर गन बरामद हुईं। सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को वहीं पकड़ लिया और उसे तत्काल राम जन्मभूमि थाना पुलिस के हवाले कर दिया। युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी हिमांशु भास्कर के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि वह एयर गन की मार्केटिंग का कार्य करता है और अंबेडकरनगर से गोंडा की यात्रा के दौरान अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए रुका था।

राम जन्मभूमि थाना प्रभारी अभिमन्यु के अनुसार, युवक के पास से दो एयर गन मिली हैं। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि युवक से पूछताछ की गई जिसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया है। उसके नाम और पते की पुष्टि हो चुकी है। फिलहाल युवक से और भी जानकारी जुटाई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां मामले को गंभीरता से लेकर हर कोण से जांच कर रही हैं।

विपक्ष ने एकसुर में किया भारतीय सेना का समर्थन

सोनिया गांधी, मायावती, अखिलेश यादव, शरद पवार, ओवैसी जैसे दिग्गज नेताओं ने सेना के आपरेशन को सराहा

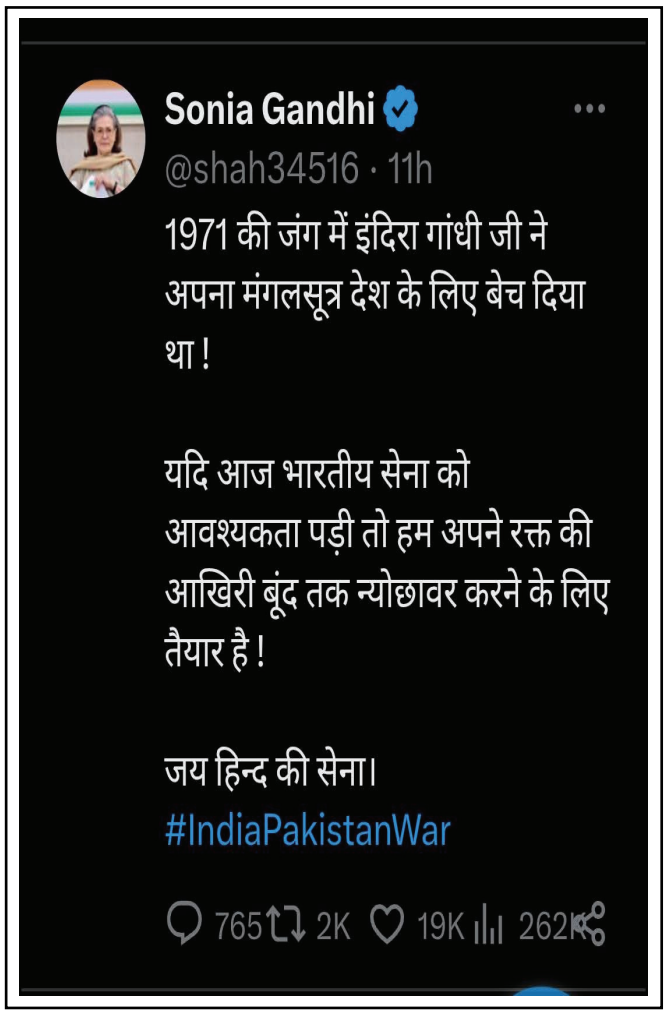

सोशल मीडिया पर छाए रहे सेना की हौंसला आफजाई के संदेश

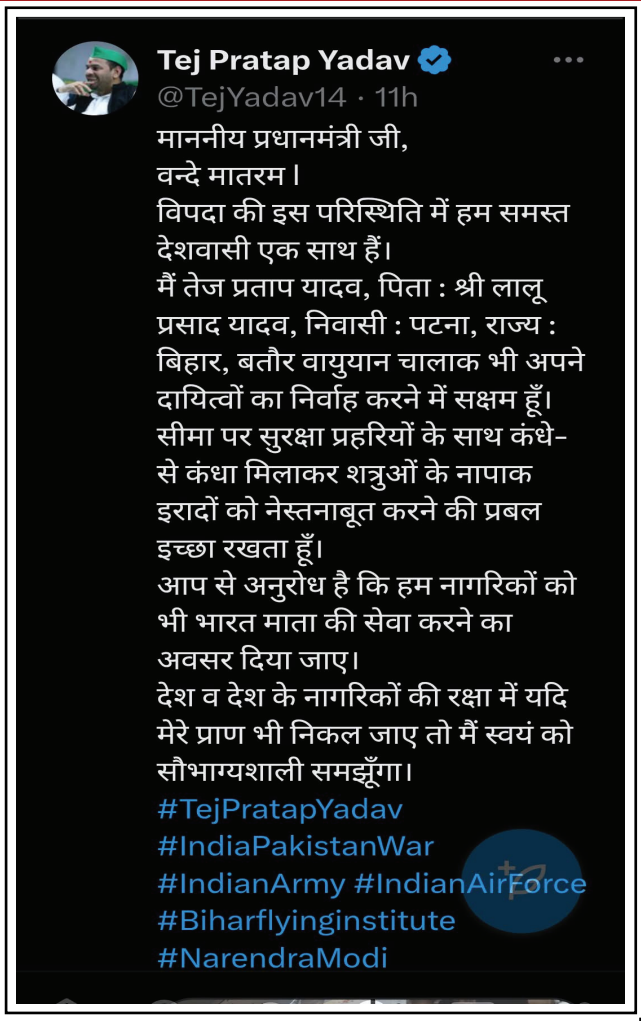

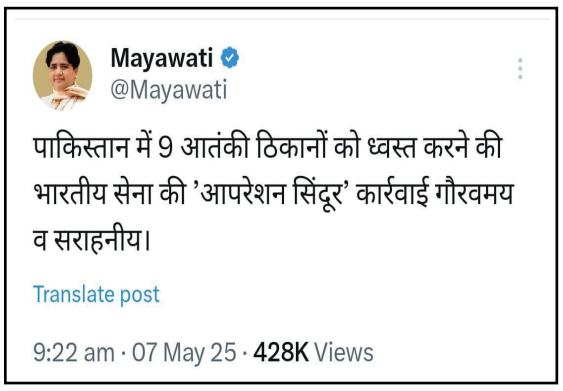

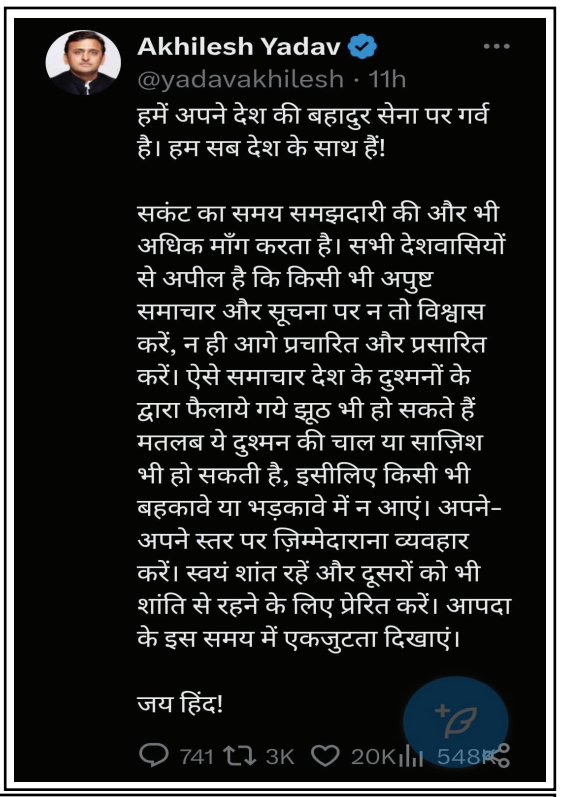

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछकर 28 हिंदूओं की निर्मम हत्या करने वाले आतंकियों, चरमपंथियों के खिलाफ भारतीय सेना आपरेशन सिंदूर चला रही है। उसके तहत लगातार पाकिस्तान सीमा के अंदर चल रहे कई आतंकी अडडों को एयर स्टाइक्स से ध्वस्त कर दिया गया है। वहीं, गुरूवार देर रात भारतीय सेना द्वारा कई आपरेशन किए गए।

वहीं, पाकिस्तान ने पलटवार कर जम्मू-कश्मीर और सीमा सटे इलाकों में बमबारी की जिसका भारतीय सेना पूरी ताकत से मुंहतोड जवाब दे रही है। वहीं, भारतीय सेना और केंद्र सरकार का विपक्ष ने एकसुर में समर्थन और हौंसला बढाने के लिए सोशल मीडिया पर संदेश जारी किए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, बसपा प्रमुख मायावती, एआईएम चीफ ओवैसी जैसे कई नेताओं के संदेश भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती और जिम्मेदार विपक्ष की ताकत का अहसास कराते हैं। भारतीय राजनीति के पुरोध भूतपूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न पं0 अटल बिहारी बाजपेई की वो लाइनें याद आती हैं ''सरकों आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगडेंगी मगर यह देश रहना चाहिए...। विपक्ष नेता अटल जी की पंक्तियां जीवंत कर रहे हैं। भारतीय सेना के पराक्रम का दुनियां लोहा मानती है, खैर पाकिस्तान की औकात नहीं सामने टिकने की।